मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 78, मुंबई, शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

भारत के रियल एस्टेट सितारों ने रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 में बिखेरी अपनी चमक

रियल एस्टेट में नवाचार, नेतृत्व और दूरदर्शिता का एक भव्य उत्सव, कार्यक्रम में शामिल हुए दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान

(समाचार पृष्ठ 7 पर)

‘मैं तो ठोकूंगा’

बढ़ते पुल हादसों के बीच ठेकेदारों को नितिन गडकरी की चेतावनी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बने पुल के ढहने की घटना के बाद अभी तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बढ़ते पुल हादसों के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वो काम में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के पीछे लग गए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि दुर्भावनापूर्ण गलतियों पर ठोक देना चाहिए। नितिन गडकरी ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि एक्सीडेंट अलग चीज है और जो काम करते वक्त बेईमानी और फ्रॉड करते हैं, वो दूसरी चीज है। उन्होंने कहा कि अगर गलती जानबूझकर नहीं की गई हो तो माफ कर देना चाहिए, लेकिन अगर गलती दुर्भावनापूर्ण की गई हैं तो फिर ठोक देना चाहिए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

टोरेस घोटाले का मास्टरमाइंड यूक्रेन से गिरफ्तार

150 करोड़ की ठगी का मामला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बस कुछ ही हफ्तों में रकम हो जाएगी दोगुनी! यही सपना दिखाया गया था निवेशकों को। लेकिन हकीकत में जो हुआ, वो देश के सबसे शातिर अंतरराष्ट्रीय पोंजी घोटालों में से एक बन गया। जी हां, बात हो रही हैं टोरेस घोटाले की, जिसने 15 हजार से अधिक लोगों को 150 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। अब इस घोटाले के एक बड़े सूत्रधार को यूक्रेन में से खोज निकाला गया है। आरोपी का नाम है लुरचेंको इगोर, जो इस पूरे ठगी तंत्र का फ्रंट मैन बताया जा रहा है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने पुष्टि की है कि उसे भारत लाने की प्रत्यर्पण प्रक्रिया जोरों पर है। टोरेस नाम की योजना के तहत लोगों को यह लालच दिया गया कि यदि वे कंपनी से मोइसोनाइट नामक पत्थर खरीदते हैं, तो उन्हें हर सप्ताह 6% ब्याज मिलेगा। इसके बाद कंपनी ने एक के बाद एक आकर्षक योजनाएं पेश कीं और लोगों ने भी आंख मूंदकर विश्वास किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

18 जुलाई को होगा कुछ बड़ा

मीरा रोड पर राज ठाकरे करेंगे जनसभा, क्या होगा खास?

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में 5 जुलाई को हुई ठाकरे बंधुओं की रैली के बाद इस मामले को और तूल मिला है। अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 18 जुलाई को एक बड़ी जनसभा करने जा रहे हैं। राज ठाकरे यह जनसभा मीरा रोड पर आयोजित कर रहे है। राज ठाकरे वहीं से मराठी समाज के लोगों से सीधा संवाद करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार राज ठाकरे उसी जोधपुर स्वीट्स में रैली करेंगे जिसके मालिक को मराठी न बोलने पर थप्पड़ मारा गया था। मीरा रोड में मराठी अस्मिता के मुद्दे पर सफल आंदोलन के बाद, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अब कुछ नया सोचिए

ट्रेड यूनियनें गंभीरता से सोचें, तो उन्हें अहसास होगा कि नव-उदारवादी आम सहमति में सेंध लगाने में उन्हें अब तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। तो फिर ऐसे अप्रभावी विरोध का सिलसिला जारी रखने का क्या तर्क है?

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का सामान्य असर रहा। सामान्य इस अर्थ में कि अब हर साल एक या दो बार होने वाले ऐसे विरोध आयोजनों का जैसा प्रभाव होता है, वैसा इस बार भी हुआ। कुछ राज्यों में परिवहन पर असर पड़ा, सार्वजनिक निगमों में हड़ताल जैसा माहौल बना, और जुलूस- प्रदर्शन निकाले गए। किसानों के संगठन- संयुक्त किसान मोर्चा ने कई स्थानों पर बंद के समर्थन में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। ट्रेड यूनियनों ने इस माध्यम से आम तौर पर नव-उदारवादी आर्थिक नीतियों और खास तौर पर चार श्रमिक संहिताओं के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद संभवतः कई महीनों के बाद ये संगठन फिर से अपना विरोध जताएंगे। यह क्रम कई दशक पुराना हो चुका है। इसलिए ट्रेड यूनियनों और उनके समर्थक संगठनों के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय है कि इस रास्ते अब तक उन्होंने क्या हासिल किया है या आगे इससे वे क्या अपेक्षाएं रखते हैं? हकीकत यह है कि ट्रेड यूनियनों के विरोध के बावजूद नव-उदारवादी आर्थिक नीतियां अपनी रफ्तार से आगे बढ़ी हैं। कुछेक अपवादों को छोड़ कर राजनीतिक दलों के बीच इन नीतियों पर आम सहमति है। ट्रेड यूनियनें गंभीरता से सोचें, तो उन्हें अहसास होगा कि इस आम सहमति में सेंध लगाने में उन्हें अब तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। तो फिर ऐसे अप्रभावी विरोध का सिलसिला जारी रखने का क्या तर्क है? दरअसल, विरोध का कौन तरीका प्रभावी होगा, यह काफी कुछ तरीका सिस्टम के स्वरूप से तय होता है। आज जबकि शासक वर्ग ने राजनीति को जातीय, भाषाई, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय पहचान के मुद्दों पर केंद्रित कर रखा है, वर्गीय प्रश्नों पर प्रतीकात्मक विरोध के जरिए शायद ही कोई असर छोड़ने की गुंजाइश बची है। ऐसा हो, इसके लिए अनिवार्य है कि पहले विमर्श को वर्गीय प्रश्नों की तरफ लाने का अभियान चलाया जाए और फिर उन प्रश्नों पर संघर्षों में निरंतरता लाई जाए। मगर जिस समय वामपंथी राजनीति भी पहचान के मुद्दों में पूरी तरह उलझी हुई है, ट्रेड यूनियनों के लिए ऐसा कर पाना आसान नहीं रह गया है। और उन्होंने ऐसा कोई प्रयास किया भी नहीं है।

स्कूल मर्जर के विरोध में शिक्षा बचाओ संघर्ष मोर्चा ने सभा करके ज्ञापन दिया

मुंबई हलचल/संवाददाता

बरेली। शिक्षा बचाओ संघर्ष मोर्चा द्वारा यूपी में 50 से कम नामांकन संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों के अन्य विद्यालयों में मर्जर के विरोध में जिलाधिकारी महोदय बरेली के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। सभा से पूर्व सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में सभाकर कलेक्ट्रेट तक जुलूस भी निकाला गया। सभा में बात रखते हुए शिक्षा बचाओ संघर्ष मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं बीटीयूफ के महामंत्री संजीव मेहरोत्रा ने कहा कि स्कूलों के मर्जर के खिलाफ हमें इस संघर्ष को निरंतर जारी रखना होगा। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ

के मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षा को बचाने के लिए हमें एक मंच पर आकर सिंगल एजेंडे के तहत संघर्ष करना होगा। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि यह भविष्य को बचाने की लड़ाई है इसे हम एकजुट प्रयासों से ही जीत की ओर ले जा सकते हैं। अटेवा के जिला अध्यक्ष डॉ मुनीष कुमार गंगवार ने कहा कि योगी सरकार का यह फैसला जन विरोधी है इससे गरीब बच्चों तक के छात्रों की शिक्षा व भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। सभा में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी स्कूल मर्जर के खिलाफ आवाज उठाई और सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग की। सभा का संचालन बीटीयूफ के उप महामंत्री ललित ने किया और क्रांतिकारी गीत प्रगतिशील सांस्कृतिक मंच के साथियों ने प्रस्तुत किया। ज्ञापन के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और छात्र संगठन के लोग शामिल हुए।

उर्से नूरी की महफिल में 50 तलवा को किया गया सम्मानित, हुई जश्ने दस्तारबंदी

मुंबई हलचल/संवाददाता

बरेली। बरेली में 45वें उर्से नूरी के मौके पर जश्ने दस्तारबंदी का आयोजन किया गया। इस मौके पर 50 तलवा को तालीम की बदौलत सम्मानित किया गया। जश्ने दस्तारबंदी की सरपरस्ती आला हजरत खानदान के बुजुर्ग शख्सियत मौलाना तौसीफ रजा खान ने की, जबकि सदारत उनके बेटे मुफ्ती फैज रजा खाँ फैज ने की। इस मौके पर तौसीफ मियां ने कहा कि मुफ्ती ए आजम हिंद ने हमेशा आला हजरत के मिशन पर चलकर कौम ओ

मिल्लत की भलाई के लिए अनेकों कार्य किया। देर रात 1:40 पर हजरत मुफ्ती आजम हिंद के 45 वें कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इस मौके पर तौसीफ मियां ने मुल्क व आवाम की सलामती, खुशहाली, तरक्की, कामयाबी, बीमारों को शिफा, बेरोजगारों को रोजगार और आपसी भाईचारे व प्रेम के लिए खुसूसी दुआ की। इस मौके पर अल्हाज तस्लीम रजा खाँ नूरी, इमरान रजा खाँ समनानी मियां, मुफ्ती नवाजिश, मुफ्ती इरशाद, सैयद शाहरोज, मुम्बई से नूरी मियां, मुफ्ती शैयान रजा, हॉलैंड से शरीफ दिल मोहम्मद, कतर से शफीक शम्सी, मौलाना अख्तर इराकी, समाजसेवी पम्मी खाँ वारसी सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल रहे।

डॉ. अनीस बेग की इकरा हसन से मुलाकात: सपा की रणनीति पर चर्चा

समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. अनीस बेग ने युवा सांसद इकरा हसन से उनके निवास स्थान पर विशेष भेंट की। इस मुलाकात में सपा की मौजूदा नीतियों और आगामी चुनावी तैयारियों पर गहन चर्चा हुई। डॉ. अनीस बेग ने बताया कि समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इकरा हसन ने डॉ. अनीस बेग की सराहना करते हुए उन्हें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की आवाज बताया और जोर देकर कहा कि सपा का पीडीए मॉडल ही देश को सामाजिक न्याय की दिशा में ले जा सकता है। डॉ. अनीस बेग ने इकरा हसन को बरेली आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। जल्द ही बरेली में एक बड़ी जनसभा अथवा सामाजिक संवाद का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इकरा हसन की उपस्थिति से संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस मुलाकात को समाजवादी खेमे में एक सकारात्मक संकेत और संगठन की एकजुटता के रूप में देखा जा रहा है। दोनों नेताओं ने सपा की आगामी रणनीति पर चर्चा की और संगठन को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का फैसला किया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई के कार्नैक ब्रिज का हुआ मुख्यमंत्री के हाथों से उद्घाटन

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबईकर के लिए अच्छी खबर है। दक्षिण मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी गलियारों को जोड़ने वाले दोबारा बनाए गए कार्नैक ब्रिज, जिसका नाम बदलकर अब सिंदूर ब्रिज रख दिया गया है, का गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्घाटन कर दिया। बताया जा रहा है कि इस फ्लाईओवर (ब्रिज) से दक्षिण मुंबई में पूर्व-पश्चिम ट्रैफिक फ्लो में काफी सुधार होने की उम्मीद है। खबर के मुताबिक, आम लोगों के लिए दोपहर 3 बजे तक ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई में आज क्षतिग्रस्त कार्नैक ब्रिज के स्थान पर सिंदूर ब्रिज का उद्घाटन किया जा रहा है, जिसे ध्वस्त कर दिया गया था। कार्नैक एक अत्याचारी गवर्नर थे। हम जानते हैं

कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीयों के दिलों में बसता है। इसीलिए हमने ब्रिज का नाम बदलकर सिंदूर ब्रिज करने का फैसला किया है। मैं बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने रिकॉर्ड समय में इस ब्रिज का निर्माण पूरा किया है। मैं इस ब्रिज को मुंबई के लोगों को समर्पित करता हूं। मुंबईकर आज दोपहर 3 बजे से इस ब्रिज का इस्तेमाल शुरू कर सकते हैं।

सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते तोड़ा गया था यह पुल

आपको बता दें, आज जिस सिंदूर ब्रिज का उद्घाटन हुआ, उसे पहले कार्नैक ब्रिज कहा जाता था। बाद में इस पुल का नाम ऑपरेशन सिंदूर के तहत पूर्व राज्यपाल जेम्स रिवेट कार्नैक के नाम पर बदलकर सिंदूर ब्रिज कर दिया गया था। मस्जिद बंदर रेलवे स्टेशन के पास स्थित यह सिंदूर फ्लाईओवर या ब्रिज, पी.डी.मेलो रोड को क्रॉफर्ड मार्केट, कालबादेवी और मोहम्मद अली रोड जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों से जोड़ता है। अगस्त 2022 में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते 150 साल पुराने कार्नैक ब्रिज को ध्वस्त किए जाने के बाद, बीएमसी ने इसे बनाया है।

पुल 328 मीटर लंबा है

इस ब्रिज को अतिरिक्त नगर आयुक्त अभिजीत बांगर के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ाया गया और 10 जून तक पूरा कर लिया गया। पुल 328 मीटर लंबा है, जिसमें 70 मीटर रेलवे परिसर और 230 मीटर पहुंच मार्ग शामिल हैं। इसके निर्माण में दो स्टील गर्डरों का उपयोग किया गया है, जिनमें से हर एक का वजन 550 मीट्रिक टन है। दक्षिणी गर्डर 19 अक्टूबर, 2024 को स्थापित किया गया था, जबकि उत्तरी गर्डर 26 और 30 जनवरी, 2025 को नियंत्रित रेलवे यातायात अवरोधों के बीच स्थापित किया गया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

टोरेस घोटाले का मास्टरमाइंड यूक्रेन से गिरफ्तार

इतना ही नहीं, कई निवेशकों ने तो अपने रिश्तेदारों, मित्रों और पड़ोसियों को भी जोड़ा और देखते ही देखते कंपनी ने करोड़ों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया। लेकिन दिसंबर 2024 में जैसे ही निवेशकों को भुगतान मिलना बंद हुआ, तो उनकी नींद टूटी। 6 जनवरी को मुंबई, मीरा रोड, नवी मुंबई में हजारों निवेशक कंपनी के शोरूम के बाहर सड़कों पर उतर आए। घोटाले की भनक लगते ही इगोर और उसके साथियों ने भारत से रफूचक्कर हो जाना ही बेहतर समझा। लेकिन मुंबई पुलिस ने इंटरपोल के जरिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया और अब जाकर मई 2025 में यूक्रेन में इगोर का सुराग लग सका। उस पर अब लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार, जैसे ही यूक्रेनी सरकार की मंजूरी मिलती है, एक विशेष टीम इगोर को भारत लाने के लिए रवाना होगी। इगोर अकेला नहीं है। उसके साथ इस घोटाले में शामिल हैं 8 अन्य यूक्रेनी नागरिक और एक तुर्की नागरिक। सभी के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जा चुका है। नाम कुछ ऐसे हैं जो आम भारतीयों के लिए बिल्कुल अजनबी लगेंगे। विक्टोरिया कोवालेंको, अलेक्जेंडर बोराविक, ओलेक्सांद्रा ट्रेडोखिब और मुस्तफा कराकोक। लेकिन इन सभी ने मिलकर देश के हजारों नागरिकों की मेहनत की कमाई को हवा कर दिया। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इगोर की गिरफ्तारी से पूरे गिरोह के बारे में अहम सुराग मिल सकते हैं। भारत लाए जाने के बाद उससे पूछताछ कर और भी खुलासे हो सकते हैं, जिससे लूटी गई रकम का हिस्सा भी बरामद हो सकता है।

'मैं तो ठोकूंगा...'

काम के रवैये को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वो गड़बड़ होने पर जिम्मेदारों को डांट लगाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ हुई रोड पर तो मैं छोड़ता नहीं हूं। उन्होंने कहा कि अभी मेरा टारगेट है 7 वर्ल्ड रिकॉर्ड हुए, अब मैं ठेकेदार तथा अधिकारियों के पीछे लगूंगा। यह मेरे देश की संपत्ति है, मैं इसके साथ समझौता नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि एक एक रोड में मेरे घर की दीवार है। जितनी चिंता मुझे अपने घर की है, उतनी जिम्मेदारी मेरी उस रोड के लिए भी है। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुल के ढह जाने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। अधिकारियों ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान रात के लिए रोक दिया गया था। उन्होंने बताया कि ये अभियान शुक्रवार सुबह फिर से शुरू हो गया क्योंकि दो व्यक्ति अब भी लापता हैं। बुधवार सुबह पादरा कस्बे के निकट गंभीरा गांव के पास चार दशक पुराने पुल का एक हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। ये पुल आणंद और वडोदरा जिलों को जोड़ता है।

18 जुलाई को होगा कुछ बड़ा

पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे खुद 18 जुलाई को मीरा रोड का दौरा करेंगे। इस दौरे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह मीरा रोड में अपनी आगामी राजनीतिक भूमिका भी स्पष्ट कर सकते हैं। राज ठाकरे 18 जुलाई को शाम 7 बजे मीरा रोड पहुंचेंगे और वहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरे को लेकर मनसे कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों में उत्साह का माहौल देखा गया है। हाल ही में, मनसे ने वर्ली डोम में मराठी भाषा की अस्मिता के लिए एक बड़ी रैली निकाली थीष राज्य के साथ-साथ देश भर में इसकी चर्चा थी।आंदोलन के बाद, अब राज ठाकरे के इस दौरे को मनसे की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। यही वजह है कि सबकी निगाहें इस जनसभा पर टिकी हैं। राज ठाकरे के इस दौरे से काफी उम्मीद लगाई जा रही है। कयास लगाए जा रहे है कि इस जनसभा के दौरान राज ठाकरे स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कोई बड़ा अपडेट दे सकते है। तो वहीं दूसरी ओर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के संबंधों को लेकर भी खुलासे होने की संभावनाएं जताई जा रही है।

मुंबई में 7 ऑटो रिक्शा चोरी का खुलासा, चालक और मकेनिक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की कुरार पुलिस ने ऑटो रिक्शा चोरी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी – एक ऑटो रिक्शा चालक और एक मकेनिक - मिलकर ऑटो रिक्शा चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 7 चोरी के ऑटो रिक्शा बरामद किए हैं, जिनकी असली नंबर प्लेट बदलकर उन्हें भाड़े पर चलवाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले ऑटो रिक्शा चोरी

करते थे और फिर भंगार में आए पुराने रिक्शा की असली नंबर प्लेट निकालकर चोरी की रिक्शा पर लगाते थे। इसके बाद वे इन रिक्शाओं को भाड़े पर चलवाते थे और खुद को उनका मालिक बताकर पैसे कमाते थे। कुरार पुलिस स्टेशन की सीमा में लगातार हो रही ऑटो रिक्शा चोरी की शिकायतों के बाद जांच अधिकारी संजय घोलवे और उनकी टीम को यह मामला सौंपा गया था। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संजीव तावड़े ने बताया कि आरोपियों ने अब तक कई रिक्शा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। यह पूरा नेटवर्क एक मकेनिक की मदद से चलाया जा रहा था, जो नंबर प्लेट बदलने और गाड़ियों की पहचान छुपाने में माहिर था। फिलहाल इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश कर रही है।

मुंब्रा में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने की मांग, शमीम खान ने जिल्हाधिकारी को सौंपा निवेदन

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में नागरिकों की सुविधा के लिए पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने की मांग को लेकर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार पक्ष) के मुंब्रा-कलवा विधानसभा अध्यक्ष श्री शमीम अहमद खान ने ठाणे जिल्हाधिकारी श्री अशोक शिनगारे (आईएएस) को एक निवेदन पत्र सौंपा। यह निवेदन आमदार डॉ. जितेंद्र आव्हाड के आदेशानुसार और पार्टी के महाराष्ट्र महासचिव श्री सय्यद अली अशरफ, तथा विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया गया। इसमें मुंब्रा के नागरिकों को हो रही असुविधाओं का विस्तार से उल्लेख किया गया है। श्री शमीम खान ने बताया कि मुंब्रा, ठाणे जिले का एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहाँ सामाजिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियों में लगे हजारों लोग निवास करते हैं। लेकिन पासपोर्ट सेवा केंद्र की अनुपलब्धता के चलते नागरिकों को ठाणे, नवी मुंबई या मुंबई जाना पड़ता है, जिससे उन्हें समय, धन और श्रम की हानि होती है। उन्होंने विशेष रूप से वृद्धों, महिलाओं और छात्रों की समस्याओं को रेखांकित करते हुए मांग की कि मुंब्रा में एक स्थायी पासपोर्ट सेवा केंद्र शीघ्र खोला जाए, ताकि उन्हें अपने ही शहर में यह सेवा सुलभ रूप से प्राप्त हो सके। जिल्हाधिकारी श्री अशोक शिनगारे ने निवेदन को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि इस जनहित के मुद्दे को केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय को सूचित किया जाएगा और आवश्यक दिशा-निर्देश मिलने के पश्चात इस पर जल्द से जल्द ठोस कार्यवाही की जाएगी। अंत में श्री शमीम खान ने जिल्हाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि मुंब्रा में पासपोर्ट सेवा केंद्र जल्द शुरू होगा, जिससे हजारों नागरिकों को राहत मिलेगी।

खबर संक्षेप

फ्रांसः जंगल में आग से विमानों का परिचालन बंद

मारसेई। फ्रांस में गर्म तेज हवाओं के कारण भड़की जंगल की आग देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मारसेई तक पहुंच गई, कारण मारसेई से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रोक दी गईं। आग संबंधी घटनाओं में कम से कम नौ लोग घायल हुए हैं और कई निवासियों को या तो अपने घर खाली करने पड़े या फिर वे घरों के अंदर बंद रहे क्योंकि भूमध्य सागर से सटा पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया है। मारसेई में एक बड़े अस्पताल को जनरेटर से बिजली देनी पड़ी, आसपास के अधिकतर इलाकों में रेल यातायात रोक दिया गया और कुछ सड़कें बंद कर दी गईं तथा अन्य सड़कों पर जाम लग गया।

पाक में ड्रोन अटैक, 1 की मौत, 3 घायल हुए

कराची। पाकिस्तान में एक ड्रोन अटैक की घटना सामने आई है। पाक के खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में विद्रोहियों द्वारा किए गए दो ड्रोन हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी सलीम अब्बास कुलाची ने डॉन को बताया कि जिले में दो क्वाडकॉप्टर ;एक प्रकार का ड्रोन घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा किए गए पहले क्वाडकॉप्टर हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन बच्चे घायल हो गए है वही महिला के शव और घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज जारी है।

पाक ने 8 चरमपंथियों को मार गिराया

पेशावर। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत से देश के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे आठ चरमपंथियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गोलीबारी की यह घटना मंगलवार को बाजौर जिले के लोवी मामुंड तहसील में हुई, 'फितना अल-खवारिज' संगठन के चरमपंथियों के पाक-अफगान सीमा पार करने की कोशिश के बारे में रिपोर्ट मिली थी। 'फितना अल-खवारिज' का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए किया जाता है।

भारत के दुश्मनों पर बरसेंगी इजराइली मिसाइलें.. सुखोई में ब्रह्मोस के साथ 'लोरा' तैनात करने की प्लानिंग

ब्रह्मोस के बावजूद भारतीय वायुसेना लोरा मिसाइल पर विचार कर रही है क्योंकि यह ब्रह्मोस की पूरक है न कि प्रतिस्पर्धी लोरा की, 400-430 किमी रेंज सटीकता और सस्ती लागत इसे गहरे और सुरक्षित हमलों के लिए उपयुक्त बनाती है ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सीमा पर बढ़ते खतरे ने इसकी जरूरत को और बढ़ाया है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना आईएएफ ने एक नई रणनीति के तहत इजराइल की एयर लॉन्ग रेंज अटैक लोरा मिसाइल को अपने लड़ाकू विमानों जैसे सु-30 एमकेआई में शामिल करने पर विचार शुरू किया है।

हालांकि भारत के पास पहले से ही ब्रह्मोस मिसाइल है फिर भी लोरा को अपनाने की योजना क्यों? यह सवाल तब उठा जब ऑपरेशन सिंदूर में रैम्पेज मिसाइल की सफलता के बाद लोरा ने इसकी खोज शुरू की लोरा की 400-430 किमी की रेंज इसे दुश्मन के गहरे ठिकानों पर सुरक्षित हमले करने में सक्षम बनाती है जो ब्रह्मोस के साथ मिलकर आईएएफ की ताकत को और बढ़ाएगी।

430 किमी तक हमला करने में सक्षम *ब्रह्मोस एक लो-ऑल्टिट्यूड क्रूज मिसाइल है जो समुद्र तल के करीब उड़ती है जिससे यह दुश्मन की एयर डिफेंस को भेदने में सक्षम है। लोरा एक क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है जो ऊंचाई से लॉन्च होती है और एक लोफ्टेड ऊपर की ओर ट्रैजेक्ट्री अपनाती है। यह दुश्मन के रडार को चकमा देने में मदद करती है 430 किमी तक गहरे हमले कर सकती है। ब्रह्मोस को सु-30 एमकेआई पर एक विशेष मॉड ;संशोधन के साथ लॉन्च किया जाता है जो सीमित संख्या में ही संभव है लोरा को मौजूदा सु-30 एमकेआई विमानों में आसानी से एकीकृत किया जा सकता है।*

ब्रह्मोस एक क्रूज मिसाइल

भारत के पास पहले से ब्रह्मोस मिसाइल है जो एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है 290.450 किमी, नवीनतम वर्जन की रेंज के साथ मैक 2.8.3 की गति से उड़ती है।

चीनी मिसाइल को देगी चुनौती

पाकिस्तान की हवा से बचाव प्रणाली एयर डिफेंस और चीन की एडवांस्ड एचक्यू-9 मिसाइलें लोरा के लिए चुनौती हैं। आईएएफ की ऊंची ट्रैजेक्ट्री और गति इसे इन सिस्टमों से बचाने में मदद करेगी।

लोरा की खासियतें इस प्रकार हैं

- *रेंज 400-430 किमी जो इसे दूर के दुश्मन ठिकानों पर हमला करने में सक्षम बनाती है।*
- *गति लगभग 6-ए174 किमी घंटा*
- *सटीकतार 10 मीटर से कम का सर्कुलर एरर प्रोबेबल (सीईपी) जो इसे निशाने पर सटीक मार करने की क्षमता देता है।*
- *प्रणाली फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक और उड़ान के दौरान अपडेट लेने की क्षमता।*
- *उपयोग यह हाई-वैल्यू टारगेट्स ;जैसे दुश्मन के कमांड सेंटर या रडार पर गहरे और सुरक्षित हमले के लिए उपयुक्त है।*

पहलगाम हमले पर दिया ये जवाब

भारत में आतंक फैलाते रहे हैं हम... पूर्व पाक विदेश मंत्री भुट्टो ने कबूला सच

मुंबई हलचल / इस्लामाबाद

पाकिस्तान लंबे समय से अपनी जमीन पर मौजूद आतंकी समूहों को भारत के जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने की अनुमति देता रहा है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तान के पाले आतंकियों ने जम्मू कश्मीर में बर्बर आतंकी हमले में 26 बेगुनाह लोगों की जान ले ली, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करते हुए कई आतंकियों को खत्म कर दिया। पूरी दुनिया ने इन आतंकी ठिकानों की बर्बादी देखी थी।

- बिलावल ने इस बात पर जोर दिया कि पाक अब बदल गया है

अब पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने स्वीकार किया है कि उनका देश भारत के खिलाफ आतंक फैलाने में शामिल रहा है। एक इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो ने जरदारी ने कबूल किया कि पाकिस्तानी समूह अतीत में भारत के खिलाफ आतंक में शामिल रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार किया कि पाकिस्तान की सरकार इसमें शामिल थी। बिलावल ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान अब बदल गया है और इस्लामाबाद ने इन आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई की है।

अब्दुल रऊफ के सवाल पर बोले बिलावल

बिलावल भुट्टो ने पाकिस्तान के इस हमले में शामिल होने से इनकार करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने भारत सरकार से विश्वसनीय सबूत की मांग की लेकिन ऐसा एक भी सबूत नहीं दिया गया। लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद मारे गए आतंकियों के जनाजे में आतंकी कमांडर अब्दुल रऊफ से साथ सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी को लेकर सवाल पूछा गया तो वे सवाल को टाल गए।

पहलगाम हमले में शामिल होने से इनकार

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर सवाल पर उन्होंने इस बात से इनकार किया कि पाकिस्तान इसमें शामिल था। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट के बारे में पूछे गए सवालों पर बिलावल से सीधा जवाब नहीं देते बना। द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पहलगाम आतंकी हमले के महज 45 मिनट के अंदर इसकी जिम्मेदारी ली थी।

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए हुआ तैयार, यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या में दोषी है निमिषा

यमन में भारतीय नर्स निमिषा को बचाने की आखिरी कोशिश!

तलाल अब्दो महदी ने किया था निमिषा के साथ अत्याचार

निमिषा प्रिया साल 2008 में नर्स के तौर पर काम करने के लिए यमन गई थी। कुछ समय बाद निमिषा ने यमन के नागरिक महदी के साथ मिलकर अपना क्लीनिक खोलने का फैसला किया। साल 2017 में महदी का शव मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। निमिषा इस समय यमन की राजधानी सना की केंद्रीय जेल में बंद है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

यमन में मौत की सजा पाई भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की संभवतः आखिरी कोशिश शुरू हो गई है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने निमिषा प्रिया को बचाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने की मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को भी इस मामले की सुनवाई में शामिल होने को कहा है।

निमिषा प्रिया को यमन में यमनी नागरिक की हत्या के मामले में 16 जुलाई को मौत की सजा दी जा सकती है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को 14 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कूटनीतिक तरीके से निमिषा को बचाने की कोशिश की जा सकती है। वकील ने कहा कि मृतक के परिवार को ब्लड मनी देकर निमिषा की सजा माफ कराई जा सकती है।

यमन में 16 जुलाई को निमिषा प्रिया को मौत की सजा दी जाएगी

केरल की निमिषा प्रिया कैसे पहुंची यमन?

इस कहानी की शुरुआत होती है साल 2018 से, जब निमिषा 18 साल की थी। निमिषा की मां दूसरे के घरों में काम करती थी। मां-बेटी का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। किसी तरह निमिषा ने नर्सिंग का कोर्स किया था। हालांकि, केरल में उसे नर्सिंग की नौकरी नहीं मिली। इसके बाद निमिषा को पता चला कि यमन में नर्सिंग के अच्छे अवसर हैं। 19 वर्ष की निमिषा अच्छे भविष्य के लिए यमन जाने के लिए तैयार हो गई।

महदी ने निमिषा के साथ किया अत्याचार

इसके बाद निमिषा एक महीने के लिए केरल लौट आई। निमिषा को लेकर महदी के मन में कुछ और खिचड़ी पक रही थी। महदी ने निमिषा की शादी की तस्वीरें चुरा ली। इसके बाद उसने कई लोगों को कहा कि निमिषा और उसकी शादी हुई है। इतना ही नहीं महदी ने क्लीनिक की कमाई भी रखनी शुरू दी। महदी ने क्लिनिक को अपना बताना शुरू कर दिया। वो निमिषा और उसके परिवार को भी प्रताड़ित करने लगा। उसने निमिषा का पासपोर्ट भी रख लिया था, ताकि निमिषा भारत न जा सके।

कैसे गलती से हो गया मर्डर

निमिषा की मां ने बताया कि तलाल ने सबको यह बताकर कि निमिषा उसकी पत्नी है, उसकी मंथली इनकम से पैसे भी लेने शुरू कर दिए। निमिषा ने आरोप लगाया था कि महदी उसे और उसके परिवार को सालों से परेशान कर रहा था। उसने उसे नशीले पदार्थों के प्रभाव में प्रताड़ित किया। उसने उसे कई बार बंदूक की नोक पर धमकाया भी। उसने क्लिनिक से सारे पैसे और उसके गहने भी ले लिए। रोजाना की प्रताड़ना से तंग आकर निमिषा ने तलाल को बेहोश करने के लिए नशीली दवा दी, लेकिन ओवरडोज होने की वजह से उसकी मौत हो गई। इसके बाद निमिषा ने एक स्थानीय महिला के साथ मिलकर तलाल के शव के टुकड़े किए और पानी की टंकी में बहा दिया। साल 2020 में निमिषा को फांसी की सजा हुई और फिर वहां की सुप्रीम कोर्ट ने भी दो साल पहले फैसले को बरकरार रखा।

तलाल ने शादी की तस्वीरें चोरी की थी

कौन था तलाल अब्दो महदी

यमन में नर्स का काम करने गई निमिषा की वहां मुलाकात तलाल अब्दो महदी नामक शख्स से हुई। वह यमन का नागरिक था और एक स्टोर का मालिक था। इसके बाद दोनों ने पार्टनरशिप में वहीं साल 2015 में एक क्लीनिक की शुरुआत की। उसी साल जब निमिषा एक महीने के लिए केरल छुट्टी पर आई तो तलाल ने उसकी शादी की तस्वीर चोरी कर ली और फिर उसे मैन्युपुलेट करके यह दावा किया कि उसकी शादी निमिषा से हुई है। निमिषा के पति थॉमस ने बीबीसी को बताया था कि शुरुआत में महदी एक अच्छे इंसान लगे।

निमिषा प्रिया ने खोले थे कई राज-मुझे अपने दोस्तों के साथ संबंध बनाने को कहता था

सजा पाने के बाद जेल से ही बात करते हुए निमिषा ने बताया था कि महदी ने मुझे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। वह क्लिनिक के कर्मचारियों के सामने मुझे पीटता और मुझपर थूकता था। 2016 में मैंने पुलिस थाने में उसकी शिकायत दर्ज करवाई। उसने मेरा पासपोर्ट भी अपने पास रख लिया और अपने साथ रहने पर मजबूर करने लगा। वह नशा करके घर आता और मुझे मारता-पीटता।" भारतीय नर्स ने आगे कहा कि वह रात में अपने दोस्तों को भी घर पर लाता और मुझे उनके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था। मैं खुद को बचाने के लिए बाहर भागती थी। मैं उससे बचने के लिए यमन की सड़कों पर रात में अकेले भागती थी, जबकि यह एक ऐसी जगह है, जहां रात में सड़क पर कोई महिला नहीं दिखाई देती। इन सबके बाद साल 2017 में निमिषा ने उसे नशीली दवा देकर बेहोश करने की कोशिश की। जिससे वह अपना पासपोर्ट वापस ले सके। पहली बार में वह इतने नशे में था कि उस पर दवा ने कोई असर नहीं किया। दोबारा नशे की दवा का ओवरडोज ज्यादा होने की वजह से तलाल की मौत हो गई।

आषाढी एकादशी में असद ग्राम से निकली दिंडी यात्रा का रिटायर्ड फौजी राहुल जाधव का अनुभव

कड़ेगाव। असद ग्राम के भक्त पिछले 12,13 वर्षों से अधिक समय से आषाढी वारी में पैदल पंढरपुर दर्शन करने जाते हैं, इस साल भी हर साल की तरह पैदल पंढरपुर दर्शन करने निकले और आषाढी एकादशी को पंढरपुर पहुंच भगवान विठ्ठल, रुक्मिणी के दर्शन कर वापस लौटे, आषाढी वारी जिसे पंढरपुर वारी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र की एक प्रसिद्ध यात्रा है, इस यात्रा में लाखों की संख्या में वारकरी संप्रदाय एवं भक्त शामिल होते हैं। असद ग्राम के भक्त लगभग 130 किलोमीटर पैदल चल पंढरपुर दर्शन करने पैदल चलते समय सभी भक्त भगवान विठ्ठल रुक्मिणी के नमस्मरण करते हुए आगे बढ़ते हैं। रात में भजन कीर्तन कर अपने विठ्ठल रुक्मिणी के नमस्मरण में मगन हो जाते हैं। इस पेदल यात्रा मे असद ग्राम के रिटायर्ड आर्मी हवालदार राहुल बजरंग जाधव पिछले 2 साल से इस आषाढी वारी मे पंढरपूर यात्रा में जा रहे हैं, उन्होंने तुलसी की माला भी पहनी हैं, उन की माता सौ रंजना बजरंग जाधव जो कि आंगनवाड़ी सेविका थी, हल ही में सेवानिवृत हुई है, उन्होंने भी माला पहनी है, उन का

घर आध्यात्मिक विचार धारा का है, राहुल जाधव ने इस यात्रा का अनुभव बताया कि यात्रा के समय महुद नामक ग्राम में पहुंचे और खाने पीने का सभी सामान टेंपो में था, भूख भी सभी को बहुत लग रही थी, रास्ते में भूख के चलते सभी बजरंग बली के मंदिर में आराम करने के लिए रुके फिर कुछ देर बाद वहां से आगे का सफर चालू किया और आगे चल कर रुके तो वहां एक बूढ़ी माता ओर उन का बेटा उन्हें ढूंढते हुए वहां पहुंचे और बोले आप सभी के लिए प्रसाद ले कर बजरंग बली के मंदिर गए और वहां आप लोग नहीं थे तो ढूंढते हुए यहां आए हैं, और सभी को पेट भर प्रसाद दिया और चले गए, फौजी राहुल जाधव सोच में पड़ गया कि इन्हें कैसे पता चला कि हम लोग भूखे चल रहे हैं, उन्होंने कहा कि ये सब भगवान पांडुरंग विठ्ठल रुक्मिणी की लीला है। रिटायर्ड फौजी रुद्रांश फिजिकल फिटनेश अकैडमी चालक है, युवा पीढ़ी को भर्ती का प्रशिक्षण अंबक फटा के कॉलेज के ग्राउंड में देते है, साथ ही वरद अक्वा पानी एवं सेंटरिंग पलेट, सामग्री का व्यवसाय करते हैं, उस में से वे आषाढी वारी में वक्त निकल पैदल यात्रा करते हैं, जिस के लिए उन्हें उन की माता सौ रंजना बजरंग जाधव, पिता बजरंग जाधव, धर्मपत्नी सौ मयूरी राहुल जाधव, बेटे वरद और रुद्रांश का पूरा सहयोग मिलता है कहा।

अएठ मूदंडा को आखिर क्यों बचा रहे हैं अधिकारी व नेता, सबसे बड़ा सवाल?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर (डॉ.चेतन ठठेरा)। समग्र शिक्षा अभियान भीलवाड़ा कार्यालय में पिछले करीब एक दशक से अधिक से पद स्थापित सहायक अभियंता(एईएन अएठ) राजकुमार मूंदडा के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज ? भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में प्रकरण चल रहा है कई मामलों में गंभीर आरोपों को लेकर विभागीय जांचे विचाराधीन है तथा नौकरी में रहते हुए विभाग और सरकार को बिना बताए विदेश यात्राएं करने तथा आय से अधिक संपत्ति होने के खिलाफ लोकायुक्त में मामला विचाराधीन होने के बाद भी पिछले 11 साल और 11 महीने से मूदंडा धडल्ले से प्रतिनियुक्ति पर निश्चित होकर नौकरी कर रहा है और अभी फिर एक गंभीर शिकायत हुई जिसकी जांच भी चल रही है लेकिन उस जांच मे भी गली निकार मूदंडा को बचाने की कोशिश है? आखिर मूदंडा को क्यों बचा रहे हैं अधिकारी और नेता ? क्या दाल में काला है ?या फिर पूरी दाल ही काली है? ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार ने अपने पत्र क्रमांक एफ 701प्रशा.2/ क.अ./ ज.ग्र.वि./विविध/12/3345/ दिनांक 11/08/2015 के जरिए निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग जयपुर को निर्देशित व आदेशित किया कि राकेश वर्मा सदस्य अभिनव राजस्थान शास्त्री नगर भीलवाड़ा ने लोकायुक्त को शिकायत प्रेषित कर विभाग(जल संरक्षण विकास एवं भू संरक्षण विभाग) को भी पृष्ठांकित किया है जिसमें राजकुमार मूदंडा सहायक अभियंता द्वारा तथ्य छुपा कर प्रतिनियुक्ति प्राप्त कर राज्य आदेशों की अवहेलना करने, बिना अनुमति विदेश यात्रा करने एवं आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने संबंधी शिकायत की है की न्यायोचित जांच करा कर कार्रवाई करें।

लोकायुक्त राजस्थान सरकार को 2 जुलाई 2015 को राकेश वर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए बिंदुवार शिकायत की जिसके बिंदु इस प्रकार हैं

1- राजकुमार मूदंडा द्वारा सर्व शिक्षा अभियान भीलवाड़ा के पद पर तथ्यों को छुपा कर एवं बिना पैतृक(मूल) विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कराए बिना कार्य ग्रहण कर लिया जो इनके द्वारा पंचायत समिति मांडल भीलवाड़ा में कनिष्ठ अभियंता वाटरशेड रहते हुए चिलेश्वर वाटरशेड में मृत व्यक्तियों के नाम मस्टरोल में भर सरपंच की सहायता से राजकीय राशि का गबन किया था जिसका मुकदमा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा में दर्ज है।

2- मूदंडा द्वारा कनिष्ठ अभियंता पंचायत समिति सुवाणा भीलवाड़ा की ग्राम पंचायत रिछडा में मनरेगा में बिना कार्य किए माप पुस्तिका में फर्जी इंद्राज कर लाखों रुपए की राजकीय राशि का गबन किया है। जिसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर

राजकुमार मूदंडा

विधानसभा की जनलेखा समिति के तत्कालीन अध्यक्ष गुलाबचंद कटारिया ने संबंधित सरपंच,कनिष्ठ अभियंता सहायक अभियंता के विरुद्ध तत्काल निलंबित कर 16 सीसी में कार्रवाई कर पुलिस में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे जिसकी पालना में सदर थाना भीलवाड़ा में एफआईआर दर्ज होकर जांच और राशि वसूली लंबित है।

3-मूदंडा द्वारा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आदेश क्रमांक 4005 दिनांक 20-10-2014 के अनुसार इनका स्थानांतरण लंबे स्टे पंचायत समिति सुवाणा से पंचायत समिति किशनगढ़ जिला अजमेर में किया गया था जिसकी पालना न करके इन्होंने राज्य आदेशों की आवहेवना की इनका संपूर्ण सेवा काल गृह जिला भीलवाड़ा में ही व्यतीत हुआ है जो सेवा पुस्तिका से प्रमाणित होता है।

4-मूदंडा ने बिना विभाग के अनुमति प्राप्त किए विदेश यात्राएं की है जिसमें बैंकॉक की यात्रा तथा 14 फरवरी 2015 से 22 फरवरी 2015 तक दुबई की यात्रा सपत्न ी की गई है जो उनके पासपोर्ट से प्रमाणित होती है। इनकी कारगुजारी यहीं समाप्त नहीं हुई इसके अलावा इन्होंने सर्व शिक्षा अभियान से राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान भीलवाड़ा के सहायक अभियंता के पद हेतु आवेदन किया और उन्हें समस्त तथ्यों को छुपा कर अपना चयन करवा लिया। जबकि इन्हें 16 सीसी से दंडित किया गया एवं वेतन वृद्धि तथा पदोन्नति रोकी गई है तथा समस्त जांच लंबित है । किए गए आवेदन में मूदंडा द्वारा इसका कहीं भी अंकन नहीं किया गया।

5- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद अजमेर के आदेश क्रमांक 12219 दिनांक 11-6-2015 से इनका चयन सहायक अभियंता के पद पर इसी शर्त पर हुआ है कि दिनांक 16-6-2015 तक पैतृक अर्थात मूल विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर कार्य ग्रहण करें लेकिन मूदंडा द्वारा बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए आनन-फानन में अवकाश के दिन शनिवार 13 जून 2015 को कार्यभार ग्रहण कर लिया जबकि उनके मूल विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त ग्रामीण विकास पंचायती राज जयपुर द्वारा इन्हें कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया ? क्योंकि विधिवत प्रमाण पत्र जारी करने में कम से कम 10 दिन लगते हैं लेकिन इन्होंने 12 जून को प्राप्त आदेश के अनुसार 13 जून को कार्यभार ग्रहण किया इस तरह एक दिन में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना संभव नहीं है।

6- मूदंडा का पैतृक मकान जो काशीपुरी में स्थित था उसको तुड़वाकर भव्य आलीशान मकान का निर्माण कराया जिसकी लागत लगभग 1 करोड़ से अधिक है इसी तरह इन्होंने सुवाणा रोड पर कृषि फार्म हाउस क्रय किया जिसकी भी लागत करीब 2 करोड़ के आसपास है और मूदंडा ने शहर में आवासीय भूखंड इनके वह उनकी पत्नी एवं बेनामी संपत्ति अर्जित की हुई है ? जबकि मूदंडा पिता साधरण अध्यापक एवं सादा जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति थे।अर्जित की गई संपत्ति निश्चित गलत तरीके से अर्जित की गई ऐसा प्रतीत होता है ? मूदंडा की सभी शिकायतें जिला परिषद भीलवाड़ा एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा के पास लंबित है ।

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वय समग्र शिक्षा भीलवाड़ा ने भेजी अपनी रिपोर्ट इस प्रकार राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के पत्र और निर्देश के आधार पर जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा भीलवाड़ा ने 13 पेज की एक रिपोर्ट भेजी है जिसमें मूदंडा पर गंभीर आरोप प्रमाणित किए हैं। अर्थात मूदंडा को दोषी माना है?

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिक्षा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान भी होना आज के युग की आवश्यकता है : संजय उपाध्याय

मुंबई। आपके लिए जितना जरूरी है कि आपके बच्चे मंदिर जाएं, उतना ही जरूरी है कि उन्हें अपने धर्म और अपनी संस्कृति की जानकारी हो। यही कार्य श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ अब तक करता आया है। शिक्षा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान भी होना आज के युग की आवश्यकता है, ऐसे विचार भाजपा के उत्तर मुंबई के विधायक संजय उपाध्याय ने आज मुंबई में व्यक्त किए। श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से वर्ष 2025 में कक्षा 1 से 36 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित धार्मिक परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए 109 विद्यार्थियों का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से शानदार तरीके से सम्मान किया गया। मुंबई में मलाड पूर्व में स्थित स्वामी नारायण मंदिर के सभागृह में आयोजित इस समारोह में वे प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रहे थे। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष श्री संजयभाई जीवनलाल शाह ने इस अवसर पर कहा कि यदि 5 वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को विदेशी भाषा, संस्कृत भाषा, हिंदी और मराठी भाषा के साथ-साथ धार्मिक शिक्षा नई तकनीक के माध्यम से दी जाए, तो उनके सर्वांगीण विकास को अवश्य ही प्रेरणा मिलेगी। संस्कृत भाषा, विदेशी भाषा और अंग्रेजी भाषा के साथ धार्मिक शिक्षा की नई तकनीक के माध्यम से 50,000 से अधिक बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने का हमारा उद्देश्य है। धार्मिक शिक्षा की इस नई तकनीक से भारत ही नहीं, बल्कि उन

देशों में भी लाभ पहुंचेगा जहाँ जैन बच्चे रहते हैं। बच्चों में संस्कारों की शुरूआत का पहला चरण होता है - पाठशाला। जैन शासन का प्राण ही है - पाठशाला। इन पाठशालाओं से जो विद्यार्थी निकलते हैं, वे भविष्य में जैन शासन के साधु-साध्वी, सुश्रावक- सुश्राविका, ट्रस्टी, स्वयंसेवक और रक्षक बनते हैं। वर्तमान समय में बच्चों को धार्मिक शिक्षा देना संस्था की प्राथमिकता है। यदि बच्चों में धार्मिक संस्कार होंगे, तो उनका निश्चित रूप से विकास होगा, इसके लिए संस्था सतत प्रयासरत है। जैन धर्म के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य ये बच्चे बड़े होकर करेंगे। यह पाठशाला जैन धार्मिक शिक्षा के प्रचार और समाजसेवा में संस्था के बढ़ते योगदान का प्रतीक है। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के ट्रस्टी श्री अशोक नरसिंह चरला ने बताया कि मुंबई की 450 से अधिक स्कूलों में 1300 से अधिक शिक्षक योगदान दे रहे हैं। आज मुंबई की स्कूलों में 50,000 से अधिक बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर गच्छाधिपती परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री राजेंद्र सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत श्री मुक्ति वल्लभ सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत श्री धर्म यश सुरीश्वरजी महाराज, श्री जवाहरलाल मोतीलाल शाह, श्री सुरेशभाई देवचंद संघवी, श्री संजयभाई शाह, श्री अशोक नरसिंह चरला, श्रीमती उषाबेन हेमेन्द्र दोशी, श्रीमती अल्पाबेन संजयभाई शाह, श्री विमलेशभाई और श्री किरीटभाई फोपाणी ने भी अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। इस समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों और विभिन्न संस्थाओं के ट्रस्टीज का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से सम्मान किया गया।

लिवलॉग ने अंधेरी में रणनीतिक शाखा लांच की

मुंबई। भारत की अग्रणी कार्पोरेट बीमा एजेंसी और एकीकृत स्वास्थ्य-तकनीक प्लेटफॉर्म, लिवलॉग ने अंधेरी, मुंबई में अपनी नई शाखा के लांच की घोषणा की है, जो सुलभ और हाइपरलोकल हेल्थकेयर और बीमा समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। इस विस्तार के साथ, लिवलॉग प्रमुख शहरी केंद्रों में एक मजबूत आफलाइन उपस्थिति बनाने के अपने मिशन को जारी रखता है, जो अपने समग्र स्वास्थ्य सेवा, कल्याण और बीमा पेशकशों को ग्राहकों और भागीदारों के करीब लाता है। नईअंधेरी शाखा खुदरा स्वास्थ्य बीमा, कॉर्पोरेट ओपीडी कार्यक्रमों और एसएमई-केंद्रित बीमा समाधानों में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करने के लिए तैयार है। मुंबई के सबसे व्यस्त वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों में से एक में रणनीतिक रूप से स्थित, शाखा का उद्देश्य व्यक्तियों, कॉरपोरेट्स और छोटे व्यवसायों की उभरती हुई स्वास्थ्य सेवा सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करना है। लिवलॉग के संस्थापक और सीईओ गौरव दुबे ने कहा, अंधेरी में अपनी उपस्थिति स्थापित करना लिवलॉग की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुंबई हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, और यह शाखा हमें ग्राहकों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और स्थानीयकृत, उच्च-स्पर्श अनुभव के माध्यम से भागीदारों को सशक्त बनाने में मदद करेगी। लिवलॉग में, हम अधिक व्यक्तिगत, तकनीक-सक्षम, किफायती बीमा और स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करके

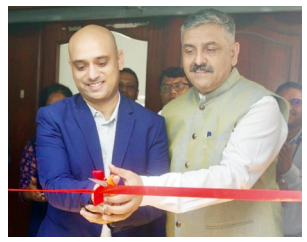

स्वास्थ्य सेवा और बीमा पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। हम कई बीमा उत्पादों के साथ उस अंतर को पाटने के लिए यहां हैं जो अनुरूप, स्केलेबल और कल्याण में निहित हैं। साझेदारी और लॉन्च पर बोलते हुए, मणिपालसिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के मुख्य वितरण अधिकारी श्री शशांक चापेकर ने कहा, हम लिवलॉग के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि वे मुंबई में अपना विस्तार कर रहे हैं। अंधेरी शाखा का शुभारंभ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य बीमा को अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाने के हमारे साझा लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। लिवलॉग का तकनीक-सक्षम और ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण हर भारतीय को सरल और व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के हमारे दृष्टिकोण के साथ सहजता से मेल खाता है। अंधेरी शाखा के उद्घाटन में मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति रही, जिसमें मुख्य वितरण अधिकारी श्री शशांक चापेकर, कॉर्पोरेट एजेंसी और ब्रोकिंग के प्रमुख श्री वीरेंद्र अलग और संचालन और अंडरराइटिंग के प्रमुख श्री आशीष यादव शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने शहरी भारत में अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य बीमा समाधान प्रदान करने में लिवलॉग और अग्रणी बीमा कंपनियों के बीच साझेदारी का एक मजबूत प्रदर्शन किया। यह नई शाखा अगले दो वर्षों में देश भर में 100 शाखाएं खोलने की लिवलॉग की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

बदलते मौसम में बढ़ रही है डिहाइड्रेशन की समस्या, डॉक्टरों ने जताई चिंता

मुंबई। दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में इन दिनों पारा 44 डिग्री से भी ऊपर पहुंच रहा है गर्मी के साथ धूल भरी आंधियां और कभी-कभार अचानक बारिश हो रही है। दूसरी तरफ, मुंबई और हैदराबाद जैसे शहर भारी मानसून और वायरल संक्रमण की चपेट में बढ़ रहे हैं। ऐसे में डॉक्टरों ने नजरअंदाज हो रहे साइलेंट डिहाइड्रेशन के बारे में चेतावनी दी थी. देशभर के डॉक्टर बता रहे हैं कि बुखार या वाइरल बीमारी से ठीक हो रहे कई मरीजों में थकान, मांसपेशियों में खिंचाव, भूख न लगना और ध्यान में कमी जैसे लक्षण बने रहते हैं। ये केवल बीमारी के बाद की थकावट नहीं हैं, बल्कि शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स और ऊर्जा की कमी का संकेत हैं – जिसे सिर्फ पानी पीकर ठीक नहीं किया जा सकता। डिहाइड्रेशन को अब तक ज्यादातर लोग दस्त से जोड़कर देखते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह शरीर से थकावट, बुखार, डेंगू, रेस्पिरेटरी या यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन में भी हो सकता है – जहां शरीर से नमक और ग्लूकोज भी साथ में निकल जाते हैं। इसका असर यह होता है कि शरीर जल्दी ठीक नहीं होता, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और कमजोरी बनी रहती है। डॉ. अब्दुल मजीद खान, वरिष्ठ फिजीशियन का कहना है "अक्सर मरीज समझते हैं कि बुखार उतरने

के बाद वे ठीक हो गए हैं, लेकिन फिर कुछ दिनों में थकावट और मानसिक सुस्ती लेकर वापस आते हैं। यह छिपी हुई डिहाइड्रेशन के लक्षण हैं, जो सिर्फ पानी से नहीं सुधरती। आज के मौसम में शुरुआत से ही पानी, नमक और ऊर्जा को संतुलित रखना जरूरी है।" इसलिए अब डॉक्टर मरीजों को तरल, नमक व ऊर्जा आधारित चिकित्सा (FEE थेरेपी) यानी ऐसे तैयार ड्रिंक्स देने की सलाह दे रहे हैं जिनमें इलेक्ट्रोलाइट्स (नमक व मिनरल्स) और ग्लूकोज संतुलित मात्रा में होते हैं। यह तरल जल्दी असर दिखाते हैं – थकावट कम होती है और मरीज जल्द ठीक हो सकता है यदि यह चिकित्सा शुरुआत में ही दी जाए, तो जटिलताओं से बचा जा सकता है और बीमारी की अवधि भी कम हो सकती है। डॉ. मनोज चावला, मधुमेह विशेषज्ञ बताते हैं, "डिहाइड्रेशन केवल दस्त से नहीं होता। वायरल या बुखार में भी शरीर में पानी, नमक और ऊर्जा की कमी हो सकती है, भले ही कोई सीधा लक्षण न दिखे। इसलिए दवाओं के साथ-साथ एफईई चिकित्सा भी पहले दिन से शुरू होनी चाहिए।" 2024 में Kenvue कंपनी, जो ORSL जैसे इलेक्ट्रॉलाइट ड्रिंक्स बनाती है, ने एक रिपोर्ट जारी की थी – 'गैर-दस्त वाली बीमारियों में हाइड्रेशन की कमी', जिसमें बताया गया था कि बुखार, वायरल और गर्मी की बीमारियों से उबरने में एफईई (फ्लूइड इलेक्ट्रोलाइट्स एनर्जी) चिकित्सा कितनी मददगार है। 87% डॉक्टरों ने माना कि एफईई चिकित्सा से रिकवरी की गति बढ़ सकती है। और तैयार तरल पेय (यानी रेडी-टू-ड्रिंक सहायक के तौर पे) से मरीज औसतन 4.38 दिन पहले ठीक हो सकते हे। उनका कहना है कि ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन – मौखिक जलपान घोल) पाउडर या केवल पानी बिना दस्त वाली बीमारियों की ऊर्जा जरूरतों को संभवत पूरा नहीं करता हे, जबकि तैयार तरल ड्रिंक जल्दी सेहत वापस लाने में मदद करता हे अब ये कई डॉक्टरों के इलाज का नियमित हिस्सा बन गए हैं।

पी डी अंजुमन इस्लामिया महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया

जबलपुर। 1 जुलाई 2025 को पी.डी अंजुमन इस्लामिया महिला महाविद्यालय में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक पेड़ मां के नाम विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शबाना अंजुम एवं कार्यक्रम प्रभारी रेशमा शेख के द्वारा संबोधित कर पर्यावरण का संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम पर महाविद्यालय की प्रधान अध्यापिकाए डॉक्टर देवी कृष्णा यादव, रेशमा शेख, डॉक्टर सुधा भोला, अपर्णा तिवारी, राशिदा तबस्सुम, सना अली, मुदब्बरीन खान, राशिदा बानो' शाहीन परवीन आदि उपस्थित रही। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शबाना अंजुम ने वृक्षारोपण के संबंध में अपने संदेश में कहा कि पैगंबरे इस्लाम

हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलेही वसल्लम ने फरमाया अगर प्रलय आने वाली हो आप के हाथ में कोई पौधा हो वह पौधे को लगा दे इसलिए हम सभी नागरिकों को पौधारोपण जरूर करते रहना चाहिए। उसकी छाया भी कहां उसको मयास्सर होगी होगी। कब कहां जानता है कोई पेड़ लगाने वाला।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भारत के रियल एस्टेट सितारों ने रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 में बिखेरी अपनी चमक

रियल एस्टेट में नवाचार, नेतृत्व और दूरदर्शिता का एक भव्य उत्सव, कार्यक्रम में शामिल हुए दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। 5 जुलाई 2025 को मुंबई के विले पार्ले स्थित जिंजर होटल में रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पेसमीडिया के संस्थापक सुशील वैश्य ने किया, जिसमें रियल्टी क्वार्टर के पवन चौहान और शाइस्ता अंसारी सह-आयोजक रहे। इस कार्यक्रम को शुभ बंसल का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रमुख दिग्गजों और उभरते सितारों को एक मंच पर लाने वाला प्रेरणादायक अवसर रहा, जहाँ नवाचार, ग्राहक-केन्द्रित सोच और नेतृत्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। प्लैटिनम कॉर्प और अवनी लैंड डिवेलपर्स सह-प्रायोजक के रूप में शामिल रहे, जबकि आईडीएफसी बैंक, सेंसेशन इंफ्राकॉन, और सिद्धिविनायक प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स सहयोगी भागीदार बने। टिकट्स99 टिकटिंग भागीदार, सुपर वीमेन गिफ्टिंग भागीदार, जीलो मर्चेंडाइज भागीदार और एवेत्रा मार्केटिंग भागीदार रहे। यह आयोजन केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उन रियल एस्टेट विजनरी व्यक्तियों को सम्मानित करने और प्रेरणादायक विचारों को साझा करने का अवसर बना, जो भारत के शहरों और समाजों को नई दिशा दे रहे हैं। इस अवसर पर मंगेश तांडले, कविता अड़े, भविष्य गुप्ता और धवल हर्सोरा ने मंच से अपने व्यक्तिगत अनुभव, प्रोजेक्ट्स और सफलता की रणनीतियों को साझा किया। इसके बाद 'रियल एस्टेट और सेकेंड होम्स में निवेश' विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ, जिसका संचालन सिद्धांत ठाकुर ने किया। इस चर्चा में भविष्य गुप्ता, कविता अड़े, मयुरेश परब, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे, और रफीक मर्चेंट शामिल रहे। कार्यक्रम में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया जिसे प्रसिद्ध लेखक और चाणक्य विशेषज्ञ राधाकृष्णन पिल्लै ने प्रस्तुत किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय रणनीतियों को आधुनिक नेतृत्व से जोड़ते हुए दर्शकों को गहराई से प्रेरित किया।

उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 के विजेता : दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे, संजय तिवारी, धिरेन्द्र सिंह, रोहन दूबे, प्लैटिनम कॉर्प, भविष्य गुप्ता, सिद्धिविनायक प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स, कविता अड़े, संतोष हस्तोकर, मयुरेश परब, मनीष छेड़ा, विकास सिंह, ज्योति गायकवाड़, विशाल बाबर, अभिजीत होडगे, सागर रमैया, अजीत सिंह, केतन लाड, प्रह्लाद सिंह पटेल, जश झवेरी, अंकुज तोरका, अपूर्वा पारिख, नितीश जायसवाल, सागर कोठावडे, संजय मोहनराज, सागर विसावाडिया, राहुल जाधव, शकील पटेल, रणजीतसिंह राठोड़, सत्य गिरी, जितेश, भरत आचार्य, रीना एलेक्स डिसूजा, धवल शाह, राहुल सोलंकी रहें।

विशिष्ट अतिथियों का सम्मान : राधाकृष्णन पिल्लै, पवन चौहान, शिवा, किरण गोलानी, अनुज चोमल, भगूराम सावंत, अल्पेश शाह, जयेश जोशी, आशीष लोढ़ा, विभा पात्रा, सिद्धांत ठाकुर और कई अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

रियल एस्टेट विकास शिखर सम्मेलन एवं उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 रियल एस्टेट क्षेत्र में निरंतर विकास, नवाचार और सामूहिक सहयोग की भावना को समर्पित एक प्रेरणादायक मंच बना। यह आयोजन केवल सम्मान का समारोह नहीं था, बल्कि यह विचारों के आदान-प्रदान और भविष्य की दिशा तय करने का महत्त्वपूर्ण प्रयास भी रहा। आइए, इस विकास यात्रा में मिलकर आगे बढ़ें और रियल एस्टेट क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भड़की प्रियंका चोपड़ा, सीखा दिया सबक

प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी फिल्म हेड्स का स्टेट को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में वह एस्क्वायर मैगजीन की कवर पेज पर आने वाली पहली महिला भी बनी, लेकिन उनको लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमे उन्होंने वड़ा पाव के बदले खाने के लिए हॉट डॉग का चुनाव करने की बात कही, तो एक कंटेंट क्रिएटर ने नाराजगी जताई। क्योंकि देसी गर्ल से वड़ा पाँव चुने जाने की उम्मीद थी। इसपर पर प्रियंका चोपड़ा का रिएक्शन सामने आया है। इस वीडियो को (Pushpek Sidhu नाम के) एक कंटेंट क्रिएटर ने शेयर किया। जिसमें उनसे खाने के पसंदीदा व्यंजन के चुनाव को लेकर सवाल किया गया। इन्हीं में से एक सवाल वड़ा पाव और हॉट डॉग के बीच चुनाव करने का था, जिस पर प्रियंका चोपड़ा ने हॉट डॉग का चुनाव किया तो कंटेंट क्रिएटर ने ऐसी प्रतिक्रिया दी जैसे प्रियंका ने वड़ा पाव की तौहीन की हो, इस पर अब प्रियंका चोपड़ा की तरफ से रिएक्शन सामने आया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया कि एम्पानाडा और समोसा में से वह किसे चुनेंगी, तो वह कंफ्यूज हो गई, क्योंकि उन्हें दोनों पसंद है। फिर उनसे पूछा गया चिकन टिक्का मसाला और एनचिलाडा में से वह किसे चुनेंगी, तो उन्होंने बताया कि उन्हें ये दोनों पसंद है। इसके बाद सवाल पूछा गया कि वड़ा पाव और हॉट डॉग में वह किसे चुनेंगी, तो उन्होंने हॉट डॉग बताया और आगे यह कहा कि वड़ा पाव मुझे पसंद है, लेकिन हॉट डॉग मेरी कमजोरी है। इस पर कंटेंट क्रिएटर माथा पीटते हुए नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर भी कुछ लोगों ने प्रियंका चोपड़ा की आलोचना शुरू कर दी थी।

मराठी भाषा विवाद पर शिल्पा शेट्टी ने साधी चुप्पी

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। लेकिन हाल ही में महाराष्ट्र में चल रहे मराठी भाषा विवाद के बीच शिल्पा शेट्टी और अभिनेता संजय दत्त ने अपनी फिल्म केडी: द डेविल के प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। वहीं इस इवेंट के दौरान जब दोनों से मराठी भाषा पर चल रहे बवाल को लेकर सवाल पूछा गया, तो दोनों ही सितारों ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने से बचे। खासकर शिल्पा शेट्टी ने बड़ी ही स्मार्टली से जवाब देते हुए किसी भी विवाद में पड़ने से खुद को बचा लिया। प्रेस इवेंट के दौरान मीडिया ने सवाल किया कि क्या किसी भाषा को सीखने के लिए जबरदस्ती होनी चाहिए, क्योंकि सिनेमा की तो कोई भाषा नहीं होती। इस पर शिल्पा शेट्टी ने शुरूआत में जवाब देने से बचते हुए कहा, इसका जवाब संजू बाबा देंगे। जब संजय दत्त से सवाल दोहराया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें सवाल ही ठीक से समझ नहीं आया। इसके बाद शिल्पा ने खुद जवाब देते हुए कहा, मी महाराष्ट्राची मुलगी आहे (मैं महाराष्ट्र की लड़की हूं)। आज हम लोग यहां केडी के बारे में बात करने आए हैं। अगर आप किसी और मुद्दे को लेकर विवाद खड़ा करना चाहते हैं, तो हम उसमें शामिल हो सकते हैं। ये फिल्म पहले से ही मल्टी-लिंगुअल है और इसे मराठी में भी डब किया जा सकता है। लेकिन अब इस वीडियो को वायरल होने के बाद लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)